नवभारत

60 एकड़ में बनेगा रिसर्च एंड इनोवेशन पार्क

200-300 करोड़ का निवेश

■ नागपुर, व्यापार प्रतिनिधि. आज के दौर में जिनके पास अधिक से अधिक रिसर्च है और जो ज्यादा इनोवेटिव उत्पाद लेकर आता है, वहीं देश तेज विकास कर सकता है. यही कारण है कि भारत में पिछले कुछ समय से शोध और इनोवेटिव प्रोडक्ट पर काफी बातचीत हो रही है. स्टार्ट को बढ़ावा देना यानी नए आइडियाज को प्रोत्साहित करना ही है. इन्हीं बातों को ध्यान में रखकर इंडियन स्कूल ऑफ मैनेजमेंट नागपुर (आईआईएम-नागपुर) ने 60 एकड़ में रिसर्च एंड इनोवेशन पार्क स्थापित करने का निर्णय लिया है. पार्क के आने से नागपुर रिसर्च और इनोवेशन में ग्लोबल हब बन सकता है, जहां से नए-नए उत्पादों का विकास संभव है. उक्त बातें आईआईएम-नागपुर के निदेशक भिमराया मैत्री ने दी. मैत्री ने 'नवभारत' से चर्चा करते हुए कहा कि इसके लिए हमने राज्य सरकार को

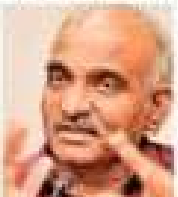

ग्लोबल सिटी बनाने की दिशा में बढ़ा कदम

देश का होगा पहला पार्क

- इस प्रकार का पार्क देश में पहली बार लाने की पहल है. इसका लाभ नागपुर को काफी ज्यादा होगा. नागपुर रिसर्च और इनोवेशन में अग्रणी बन सकता है. पार्क में टेक्साइटल, एग्रो, इंडस्ट्रीज, फार्मा, आईटी, टेक्सटाइल से लेकर हर प्रकार के रिसर्च किए जा सकेंगे.
- आईआईएम का वर्तमान में 16 शोध संस्थानों से करार है, पार्क आने के बाद दायरा और भी बढ़ेगा. इसी प्रकार साइबर स्पेस भी क्रिएट किया जाएगा ताकि दूर बैठे लोग भी केंद्र का लाभ उठा सके और इसका स्वरूप वैश्विक हो.

आईआईएम निदेशक भिमराया मैत्री से बातचीत

स्थानीय उद्योगों को मिलेगा लाभ

मैत्री ने बताया कि पार्क के आने से जहां उद्योगों को बड़े पैमाने पर लाभ मिलेगा, वहीं नए निवेश को आकर्षित करने के मौके भी उभरेंगे. इसी प्रकार स्किल मैनपावर भी बड़े पैमाने पर तैयार हो सकेंगे. फैकल्टी के तौर पर भी लोग जुड़ेंगे.

IIM के आइडिया को राज्य सरकार का भी सा

और 60 एकड़ जमीन देने की
कही है. उद्योग मंत्री सुभाष देसाई
पालक मंत्री नितिन राऊत ने भी
प्रोजेक्ट पर काफी रुचि दिखाई है
कुछ दौर के बैठकों में दोनों ने हामी
भर दी है. जमीन मिलते ही संस्
प्रोजेक्ट को आगे बढ़ाएगी. आरंभि
तौर पर इस प्रोजेक्ट पर 200-3
करोड़ रुपये खर्च आने की संभावना
पैसे की तंगी नहीं होगी क्योंकि
सरकार की विविध योजनाओं का ल
हमें मिलेगा. साथ ही राज्य सरकार
पार्टनर बनने की इच्छा जताई है.
के वैश्विक लीडर बनने के पीछे रि
और इनोवेटिव आइडियाज ही हैं.
यह महसूस कर चुके हैं. हमें भी
सिरे से सोचना होगा और अपने खुद
प्रोडक्ट वैश्विक बाजार को देना हो

Nagpur Edition
28-may-2022 Page No. 1
epaper.enavabharat.com